Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-14 **Issue-** 52
Ghaziabad, Sunday, 28 May- 2023

28 May to 03 June- 2023

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18

RNI.No: UPBIL/2009/28691

DAVP Code:101473

Editor: Dheeraj Kumar

Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 7

मेयर सुनीता दयाल की तिरुपति बालाजी क्रोनिकल के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत

इंदौर से भी बेहतर शहर बनाने के लक्ष्य के साथ काम करुंगी: सुनीता दयाल

गाजियाबाद। मेयर पद पर धमाकेदार जीत के बाद सुनीता दयाल के सामने कई चुनौतियां है। सबसे पहली चुनौती गाजियाबाद की जनता के विश्वास को बनाए रखने की है। जनता ने इस बार सुनीता दयाल को अपना समर्थन देने में कोई कंजूसी नहीं की। पिछले सारे रिकॉर्ड को तोड़ते हुए जनता ने उन्हें 2.87 लाख के अंतर से जीत दिलाई। प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों में किसी अन्य मेयर को इतने भारी बहुमत से जीत नहीं मिली है। सुनीता दयाल इसी हफ्ते मेयर पद की शपथ लेंगी। जब से गाजियाबाद नगर निगम का गठन हुआ है, तभी से यहां भाजपा का राज रहा है। सुनीता दयाल गाजियाबाद की सातवीं मेयर बनी हैं। ऐसे में गाजियाबाद की जनता को उनसे काफी अपेक्षाएं हैं। तिरुपति बालाजी क्रोनिकल ने जनता की अपेक्षाओं और शहर की विकास योजनाओं को लेकर उनसे बातचीत की।

प्रश्न- गाजियाबाद की जनता ने आपको रिकॉर्ड 2.87 लाख वोटों से जीत दिलाई है। आपको बहुत बहुत बधाई। इतनी बड़ी जीत से जनता के प्रति आपकी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। क्या कहेंगी?

उत्तर- जी हां, गाजियाबाद की जनता ने पार्टी और मुझे अपार समर्थन दिया है, जिसका मैं हमेशा कृतज्ञ रहूंगी। आपने सही कहा कि इससे जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। मेरी कोशिश होगी कि जिस मकसद से नगर निगम का गठन किया गया है, जनता और सरकार के उस उद्देश्य को पूरा करुं। नगर निगम तो अपनी बुनियादी सुविधाएं मुहैय्या कराएगा। सेवाओं को कैसे और बेहतर बनाया जा सके और शहर को कैसे सुरक्षित और साफ-सुथरा बनाया जा सके, इस पर मेरा ज्यादा फोकस रहेगा। गाजियाबाद के लिविंग स्टैंडर्ड को कैसे और ऊपर लाया जा सके, इस पर सभी के साथ चर्चा करने के बाद काम किया जाएगा। शपथ ग्रहण के बाद नगर निगम की व्यवस्थाओं और शहर में होने वाले विकास कार्यों को लेकर अफसर और पार्षदों के साथ मीटिंग होंगी, उसके बाद ही रूपरेखा तैयार की जाएगी।

प्रश्न-नगर निगम के साथ फंड की दिक्कत है। फंड नहीं होने के कारण पिछले दो साल से वार्डों में विकास कार्य नहीं हो पा रहे थे। अब कुछ काम हो रहा है। क्या कहेंगी?

उत्तर- अधिकारियों से चर्चा करने के बाद ही नगर निगम की आर्थिक स्थिति की जानकारी मिल सकती है। लेकिन इतना जरूर कह सकती हूं कि फंड की कमी से विकास कार्यों को रूकने नहीं दूंगी। राजस्व को कैसे बढ़ाया जा सकता है, इसका प्लान हैं। ट्रिपल इंजन सरकार है, कुछ कार्यों के लिए राज्य सरकार तो कुछ कार्यों के लिए केंद्र सरकार के पास जाएंगे।

एक बात तो स्पष्ट कर दूं कि नगर निगम से भ्रष्टाचार को जड़मूल खत्म करके रहूंगी

प्रश्न- गाजियाबाद के विकास के लिए आपके पास कौन-कौन सी योजनाएं हैं?

उत्तर- देखिए, पिछले पांच वर्षों के दौरान शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए काफी कुछ किया गया है। अब हमें नाली, खंड़जों, इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने, पार्कों के सौंदर्यीकरण, स्ट्रीट लाइटों से आगे बढ़कर सोचना है। आगामी बीस वर्ष बाद गाजियाबाद कैसा होना चाहिए, उसकी प्लानिंग करनी होगी। मेरी कोशिश गाजियाबाद के भूजल स्तर को सही करने की होगी। इसके लिए वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। कूड़ा उठान से लेकर निस्तारण के लिए स्थायी समाधान ढूंढना। गाजियाबाद की हरियाली को कैसे बढ़ाया जा सके। नगर निगम के कार्यों में जन भागीदारी को सुनिश्चित करना, ऐसे बहुत से काम है, जिन्हें हम सभी को मिलकर अंजाम देना है।

प्रश्न-लेकिन पिछले पांच साल तक कूड़े के लिए डंपिंग ग्राउंड तक नहीं बन पाया। आज भी सड़कों के किनारे कूड़े पड़े मिलते हैं?

उत्तर- डंपिंग ग्राउंड के बारे में अधिकारी ही बेहतर बता सकते हैं कि आखिर क्या दिक्कतें आईं। मेरे कार्यकाल में डंपिंग ग्राउंड को बनाया जाएगा। शहर से निकलने वाले कूड़े का निस्तारण किया जाएगा। इसके लिए जो भी अत्याधुनिक तकनीक है, उसका इस्तेमाल किया जाएगा। इंदौर मॉडल के तहत कूड़े का निस्तारण होगा। मैं भरोसे के साथ कह सकती हूं कि गाजियाबाद को इंदौर से भी बेहतर शहर बनाऊंगी।

प्रश्न-भाजपा 67 विधायक चुन कर आए हैं। आपको सदन में बहुमत है। विपक्षी दलों से जो पार्षद चुनकर आए हैं, उन्हें आशंका है कि वार्डों के विकास कार्यों में भेदभाव किया जा सकता है!

उत्तर- भेदभाव किससे करुंगी? पूरा शहर अपना है। हर वार्ड अपना है। यह लोकतंत्र है, यहां सभी दल जीतकर आते हैं। मोदीजी और योगीजी से प्रेरणा लेकर सभी वार्डों में समान तरीके से विकास कार्य कराऊंगी। सबका साथ-सबका विकास ही हम लोगों का मंत्र है।

प्रश्न- चुनाव प्रचार के दौरान आपने और आपकी पार्टी के दूसरे सदस्यों ने बार-बार ट्रिपल इंजन सरकार का जिक्र किया। क्या केंद्र और राज्य सरकार भी योजनाएं लाएंगी?

उत्तर- देखिए, केंद्र और राज्य सरकारों की कई योजनाएं गाजियाबाद में चल रही है। हाईवेज का नेटवर्क बढ़ रहा है। रैपिड रेल का काम तेजी से चल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत सरोवरों का विकास जैसी योजनाएं है। अगर शहर, राज्य और देश में एक ही पार्टी की सरकार हो तो योजनाओं के क्रियान्वयन में आसानी और तेजी होती है।

प्रश्न- अनेकों बार नगर निगम में कमिशन खोरी की बातें चलती है। भ्रष्टाचार की बातें होती हैं। ठेकेदारों की मनमानी की बात होती है। इनसे निपटना भी आपके लिए चुनौती होगी?

उत्तर- एक बात तो स्पष्ट कर दूं कि नगर निगम से भ्रष्टाचार को जड़मूल खत्म करके रहूंगी। शपथ ग्रहण के बाद सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर ठेकेदारों के बारे में जानकारी लूंगी। काम नहीं करने वाले, लापरवाह ठेकेदारों की पहचान कर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। हर एक कार्य को पारदर्शिता के साथ कराया जाएगा। हर कार्य की मॉनिटरिंग होगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। नगर निगम में किसी ठेकेदारों की मनमानी चलने नहीं दी जाएगी। ऐसे ठेकेदारों से निपटने की कला मुझे आती है। चार्ज ले लूं, सब ठीक कर दूंगी। जनता के लिए मेरे ऑफिस का दरवाजा हमेशा खुला रहेगा।

गाजियाबाद में जुटे देशभर के साहित्यकार

कथा रंग के लिटरेरी फेस्टीवल में साहित्य के वर्तमान हालत पर चर्चा

गाजियाबाद। गाजियाबाद की पहचान बदल रही है। पहले यह शहर दूसरी वजहों के कारण जाना जाता था लेकिन अब साहित्य सृजन और शिक्षा के कारण जाना जा रहा है। यह कहना है लेखक और आलोचक हरियश राय का। उन्होंने कहा कि किसी भी शहर की पहचान वहां होने वाली साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से होती है। इस मामले में गाजियाबाद में बदलाव आ रहा है

साहित्यिक संस्था कथा रंग द्वारा आयोजित कहानी महोत्सव एवं अलंकरण समारोह भव्य लिटरेरी फेस्टिवल में देश भर के नामचीन लेखक व कवि मोहननगर स्थित कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज में जुटे।

सुप्रसिद्ध लेखक अब्दुल बिस्मिल्लाह ने कहा कि जब सदी बदलती है तो कई बदलाव लाती है। साहित्य के क्षेत्र में भी बदलाव आया है। साहित्य आम की तरह है। यहां आम के साथ उसकी गुठलियों का भी महत्व होता है। गुठलियों से ही नए रचनाकर सामने आ रहे हैं।

वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अभिषेक उपाध्याय ने कहा कि जीवन में आ रहे बदलाव पर ध्यान देकर किया गया लेखन ही दूर तक जाता है। अंतिम सत्र की मुख्य अतिथि मैत्रेई पुष्पा ने कहा कि ऐसे समारोह नए रचनाकारों को साहस व आगे बढ़ने का हौसला प्रदान करते हैं। सुप्रसिद्ध समीक्षक राहुल देव ने कहा कि जीवंत भाषा शुद्धता का आग्रह करती है। विराट स्वरूप के बावजूद अंग्रेजी मिश्रित हिंदी भाषा के वजूद के लिए खतरा पैदा कर रही है।

वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक यतेंद्र यादव ने कहा कि साहित्य की यात्रा तब पूर्ण व सार्थक होती है जब वह आम आदमी से जुड़ती है। सुप्रसिद्ध पत्रकार एवं लेखक प्रियदर्शन ने कहा कि 21वीं सदी की कहानी का वर्तमान चुनौतियों से भरा है। आज की रचनात्मकता सोशल मीडिया पर निर्भर हो गई है।

उन्होंने कहा कि रूसी साहित्यकार मानते थे कि वह कथाकार गोगोल के कोट से निकले हैं। हम कह सकते हैं कि हम प्रेमचंद की कर्मभूमि से निकलते हैं। वरिष्ठ कलमकार कमलेश भट्ट कमल ने कहा कि साहित्य में मनुष्यता जिंदा रहनी चाहिए। प्रो. असलम जमशेदपुरी ने उर्दू कहानी के इतिहास एवं वर्तमान के अंतर का विश्लेषण किया। चर्चित युवा लेखिका एवं कवयित्री रेणु हुसैन ने कहा कि कहानी हमारे समाज का वह दस्तावेज होती है जो आने वाली पीढ़ियों को हमारे वर्तमान का बोध करवाती है।

वरिष्ठ साहित्यकार अशोक मैत्रेय ने कहा की कथा रंग के कथा संवाद कार्यशाला से लिटरेरी फेस्टिवल की यात्रा कहानी का आंदोलन बन गई है। डॉ. नवीन चंद्र लोनी ने कहा कि कथा रंग देश भर के रचनाकारों को नई पहचान देने का काम कर रहा है। सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार आलोक पुराणिक व अभिनेता मनु कौशल मंचित 'लेखक से मिलिए' प्रस्तुति बेहद रोचक रही। प्रसिद्ध रंगकर्मी जेपी सिंह की नाट्य प्रस्तुति 'छोड़ो कल की बातें' भी सराहनीय रही।

कहानी महोत्सव में देश भर से आए रचनाकारों शोभनाथ शुक्ल, आशा पांडे, सिनीवाली, अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन', डॉ. निधि अग्रवाल, डॉ. अजय गोयल, डॉ. रख्शांदा रूही मेहंदी, महावीर उत्तरांचली, चंद्रकांता, आशीष दशौत्तर, मलय जैन, नीलम राकेश, रिंकल शर्मा, डॉ. अमिता दुबे, सुभाष अखिल, संजय सिसोदिया आदि को कथा रंग साहित्य अलंकरण प्रदान किया गया।

इस अवसर पर सुभाष चंदर, आलोक यात्री, जितेन ठाकुर, नवीन कुमार भास्कर, द्विजेंद्र कुमार, जवाहर चौधरी, कविता शर्मा व शोभनाथ शुक्ल की पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया। सुभाष चंदर, आलोक यात्री, सुरेश मीणा, शिवराज सिंह ने भी विचार प्रकट किए। मंच संचालन सुप्रसिद्ध व्यंगकार एवं कवि पंकज प्रसून, मनु लक्ष्मी मिश्रा, दीपाली जैन, वागीश शर्मा व डॉ. प्रीति कौशिक ने किया।

जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त ने की यूजर चार्जेज टीम की समीक्षा, जन जागरूकता के दिए निर्देश

गाजियाबाद। संभव जन सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ द्वारा शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से आए निवासियों की समस्याओं का समाधान कराया। सुनवाई क दौरान यूजर चार्जेज के विषय पर भी संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा हुई। नगर आयुक्त ने शहर वासियों से यूजर चार्जेज के ऑनलाइन भुगतान के लिए अपील की। साथ ही टीम का आई कार्ड देखने के बाद ऑनलाइन भुगतान अकाउंट पर ही करने के लिए जागरूक किया।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ संजीव सिन्हा ने बताया कि डोर टू डोर के माध्यम से कूड़ा निस्तारण किया जा रहा है। जिसके लिए लोगों को यूजर चार्जेज का भुगतान करना होता है। शहर वासियों की सुविधा के लिए गाजियाबाद नगर निगम द्वारा टीम भी बनाई गई है जोकि डोर टू डोर जाकर यूजर चार्जेस का भुगतान करा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार समस्त यूजर्स चार्जेज का कार्य कर रही टीम को आईकार्ड भी दिया गया है। संबंधित को भुगतान करने से पहले उनका आई कार्ड भी देखकर अग्रिम कार्यवाही करें । यूजर चार्ज देने से सेवाओं को जारी रखने में सहयोग मिलता है।

उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को शहर में यूजर चार्जेज टीम पर नजर बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्रतिदिन होने वाले यूजर चार्जेज की कार्यवाही रिपोर्ट की जांच की जा रही है। नगर आयुक्त ने शहर वासियों से अधिकांश ऑनलाइन भुगतान के लिए अपील की। किसी प्रकार की परेशानी या शंका होने पर गाजियाबाद नगर निगम के 18001803012 नंबर पर संपर्क करने को कहा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के विशेष सहयोग से गाजियाबाद नगर निगम की कई योजनाएं शहर में फलीभूत हो रही है जिसमें शहर निवासियों को सहूलियत प्रदान की जा रही है। शहर निवासियों को योजनाओं के बारे में समय-समय पर जागरूक भी किया जा रहा है यूजर चार्जेज का ससमय भुगतान करने हेतु गाजियाबाद नगर निगम द्वारा अपील की गई है। उन्होंने कहा कि नगर निगम सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए जनता से सहयोग की आशा करता है।

जल्द होगा रैपिड रेल का इंतजार खत्म

गाजियाबाद। भारत की पहली रैपिड रेल का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। सूत्रों की माने तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जुलाई में इसके पहले चरण का उदघाटन कर सकते हैं। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जून महीने मे पहले चरण के कार्यों का जायजा लेने गाजियाबाद आएंगे।

इस बीच भारत की पहली रैपिड रेल परियोजना में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम दिया गया। साहिबाबाद से दुहाई के बीच आखिरी वायाडक्ट स्पैन को लॉन्च कर दिया गया। अब तक 50 फीसदी ट्रैक बिछाने का कार्य पूरा किया गया है। इस बीच दुहाई से मेरठ साउथ स्टेशन के बीच कार्य को तेज कर दिया गया है।

मंगलवार को आखिरी बायाडक्ट लॉन्च होने के साथ ही साहिबाबाद से मेरठ साउथ स्टेशन तक का लगभग 42 किलोमीटर का वायाडक्ट तैयार हो गया है। वायाडक्ट लॉन्च के साथ-साथ इस सेक्शन में ट्रैक बिछाने का कार्य भी किया जा रहा है।

रैपिडएक्स कॉरिडोर में अप एंड डाउन दोनों लाइन पर लगभग 50 प्रतिशत ट्रैक बिछाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। साथ ही दोनों लाइन पर लगभग 50 प्रतिशत ओएचई मास्ट इरेक्शन और लगभग 30 प्रतिशत केंटीलिवर इरेक्शन भी पूरा हो गया है।

एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने बताया कि मुरादनगर स्टेशन के कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म लेवल की स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है और स्टेशन में फिनिशिंग का कार्य किया जा रहा है। साथ ही स्टेशन में तकनीकी उपकरण कक्षों का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस स्टेशन में सड़क के दोनों ओर प्रवेश-निकास द्वार बनाए जा रहे हैं। मोदीनगर साउथ और मोदीनगर नॉर्थ दोनों स्टेशनों का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। मोदीनगर साउथ स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल की स्लैब कास्टिंग हो चुकी है और प्लेटफॉर्म लेवल की स्लैब कास्टिंग आखिरी पड़ाव में है। वहीं, मोदीनगर नॉर्थ स्टेशन की कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म लेवल की स्लैब कास्टिंग का कार्य पूरा हो चुका है।

वहीं, साहिबाबाद और नए बस अडडे के स्टेशन का काम लगभग पूरा हो गया है। साहिबाबाद स्टेशन में अब पार्किंग और गेटों का काम चल रहा है। नए बस अडडे स्टेशन में भी फीनिशिंग का काम किया जा रहा है।

यूपीएससी सिविल सर्विसेज परीक्षा में एनसीआर ने मारी बाजी

गाजियाबाद। संघ लोक सेवा आयोग ने मंगलवार यानि 23 मई को सिविल सर्विसेज की परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए। भारत में सबसे कठिनतम परीक्षाओं में से एक यूपीएससी प्रशासनिक परीक्षा में लड़कियों ने पहली चार टॉप रैंकिंग हासिल की। इसमें इशिता किशोर के अलावा दूसरे नंबर पर गरिमा लोहिया, तीसरे पर उमा हरथी एन और चौथे पर स्मृति मिश्रा हैं।

परीक्षा में प्रथम रैंक हासिल करने वाली इशिता किशोर ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अर्थशास्त्र में स्नातक किया है जबकि गरिमा लोहिया दिल्ली यूनिवर्सिटी के किरोड़ीमल कॉलेज से कॉमर्स में स्नातक हैं। उमा हरथी एन ने आईआईटी हैदराबाद से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक. किया है, जबकि परीक्षा की चौथी टॉपर स्मृति मिश्रा दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस कॉलेज से बीएससी में स्नातक हैं।

परीक्षा के फाइनल रिजल्ट में कुल 933 कैंडिडेट्स नियुक्ति के लिए चयनित किए गए हैं। इनमें से 345 कैंडिडेट्स अनारक्षित, 99 ईडब्ल्यूएस, 263 ओबीसी 154 अनुसूचित जाति और 72 अनुसूचित जाति से हैं। 178 कैंडिडेट्स की रिजर्व लिस्ट भी तैयार की गई है। आईएएस पदों पर चयन के लिए 180 कैंडिडेट्स शॉर्टलिस्ट हुए हैं।

यूपीएससी परीक्षा में इस बार गाजियाबाद-एनसीआर से कई परिक्षार्थियों ने कामयाबी हासिल की। इनमें पिलखुवा की आशना और लोनी की महिमा कसाना शामिल हैं। आशना ने दिल्ली के श्रीराम कॉलेज से बीए ऑनर्स के बाद सिविल सर्विसेज की तैयारी शुरू की। दो बार सफलता नहीं मिली। लेकिन, प्रयास नहीं छोड़ा। वहीं, महिमा जेएनयू से एमए करने के बाद तैयारी शुरू की थी।

आशना 116वीं रैंक पर रहीं, जबकि महिमा 141वीं रैंक हासिल की। शिक्षक दंपती की बेटी महिमा ने जेएनयू से एमए करने के बाद यूपीएससी एग्जाम की तैयारी शुरू की थी। पिलखुवा के एसएसवी कॉलेज के प्रफेसर डॉ. अजीत सिंह की बेटी आशना चौधरी ने बताया कि उन्होंने 12वीं तक की पढ़ाई गाजियाबाद के एक निजी स्कूल से की थी। इसके बाद दिल्ली के श्रीराम कॉलेज से बीए ऑनर्स किया।

लोनी के शकलपुरा गांव निवासी कृष्णपाल कसाना और गीता आर्य की बेटी महिमा कसाना ने 141वीं रैंक हासिल की है। कृष्णपाल नोएडा के सेक्टर 12 राजकीय इंटर कॉलेज में टीचर हैं। गीता भी फरीदाबाद के सरकारी स्कूल में अध्यापक हैं। महिमा ने बताया कि उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से बीए इकॉनमिक्स ऑनर्स किया। फिर जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी से एमए किया। वहीं, सिविल सेवा परीक्षा 2022 में हरियाणा के रेवाड़ी जिले के पांच परिक्षार्थियों का आईएएस में चयन हो गया है। इनमें तुषार कपूर पुत्र स्वर्गीय ब्रजमोहन सैनी (रैंक 44), नितिश मौर्य पुत्र रमेश चंद्र (रैंक 90), अभिरुचि पुत्री सुविरा यादव (रैंक 317), योगेश सैनी पुत्र स्वर्गीय दीपक सैनी (रैंक 323) और आरती पुत्री बिशंबरदयाल (रैंक 592) है।

वढरउ में सोनीपत की दो बेटियों ने फिर लहराया परचम, निधि को मिली 88वीं रैंक तो मानसी ने भी पास की परीक्षा।

सोनीपत की बेटियों ने वढरउ में अच्छी रैंकिंग प्राप्त करके अपनी सफलता का परचम लहराया। कैग अधिकारी निधि को 88वीं रैंक मिली है तो वहीं मानसी ने दूसरे प्रयास में परीक्षा पास करके 178वीं स्थान हासिल किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर किया वंदे भारत ट्रेन को रवाना

मोदीनगर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत की। यह ट्रेन देहरादून से चलकर सहारनपुर मेरठ और मोदीनगर होते हुए आनंद विहार नई दिल्ली पहुंचेगी। गुरुवार को दिल्ली आनंद विहार से मोदीनगर मेरठ मुजफ्फरनगर सहारनपुर होते हुए देहरादून तक संचालित होने वाली वंदे भारत ट्रेन का देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल हरी झंडी दिखाकरशुरूआत की। वंदे भारत ट्रेन में रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने देहरादून से ट्रेन में बैठकर इसकी शुरूआत की। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों को नित नई सौगातें दे रहे हैं। हालांकि वे ट्रेन से बाहर नहीं निकले। इसी कड़ी में गुरुवार को देवभूमि से लेकर नई दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत की गई है जिससे लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। यह ट्रेन देहरादून से वाया सहारनपुर दिल्ली तक की दूरी 4 घंटे 20 मिनट में तय करेगी। जिससे

लोगों को सफर करने में सुगमता हासिल होगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डॉ मंजू शिवाच ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत होने के बाद मेरठ से दिल्ली अथवा देहरादून जाने वाले यात्रियों को सुगमता से यात्रा करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि द्रुत गति से चलने वाली है ट्रेन बेहद कम समय में दिल्ली आनंद विहार से देहरादून तक का सफर तय करने में सक्षम है। मंच का संचालन डॉ अनुज अग्रवाल ने किया। ट्रेन के मोदीनगर पहुंचने पर स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल, सांसद प्रतिनिधि विनोद गोस्वामी, नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली, स्वदेश जैन, नवीन जायसवाल, रजनीश चौधरी, सभासद मोहित तोमर, बबलू कौशिक, नीरज माहेश्वरी, अमित चौधरी विद्यापुर, विजय बाल्मीकि, अमित कराटे, बिट्टू विश्नोई, आदि मौजूद रहे।

समर कैंप के अंतर्गत मेहंदी डिजाइन और चिकनी मिट्टी के कार्य कराए गये

गाजियाबाद। सरस्वती शिशु मंदिर में चल रहे ऑनलाइन समर कैंप में आज मेहंदी डिजाइन और चिकनी मिट्टी का कार्य कराया गया। श्रीमती राखी शर्मा ने छात्रों को रंगीन चिकनी मिट्टी से विभिन्न प्रकार की डिजाइन ,खिलौने ,गणेश जी की मूर्ति ,पशु ,पक्षियों की आकृतियां बनाई। छात्रों ने भी घर से उपरोक्त कलाकृति बनाकर के व्हाट्सएप की। मेहंदी डिजाइंस के अंतर्गत श्रीमती पूजा शर्मा ने छात्रों को मेहंदी के विभिन्न डिजाइन्स को छात्रों को ऑनलाइन समझाया और मेहंदी के कीप के द्वारा हाथ रचाने की कला बच्चों समझाई।छात्रों ने भी बहुत तन्मयता से कला पेपर पर और हाथों पर बनाकर के प्रत्युत्तर दिया। छात्र-छात्राओं की माताओं ने भी मेहंदी डिजाइन को बहुत पसंद किया और सकारात्मक प्रतिफल प्राप्त हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा शर्मा ने बताया कि छात्रों और अभिभावकों को सकारात्मक उद्देश्य की प्राप्ति के लिए और

पाठ्योत्तर क्रियाकलापों के द्वारा शैक्षिक प्रतिफल प्राप्त करने के लिए समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

एमएमएच कॉलेज में जॉब फेयर के लिए कार्यशाला आयोजित

गाजियाबाद। एमएमएच कॉलेज में 30 मई को होने वाले रोजगार मेले मे प्रतिभाग कर रहे प्रतिभागियों के मार्गदर्शन हेतु महाविद्यालय के सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ प्राचार्य एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्राचार्य प्रो पीयूष चौहान की अध्यक्षता में कौशल विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में युवाओं को मॉडल करियर सेंटर, राष्ट्रीय करियर सेवा संस्थान (एन आई सी एस) नोएडा से यंग प्रोफेशनल अजय कुमार गौतम तथा प्रकोष्ठ के सहयोगी के रूप में सामाजिक संस्था जीवितम समूह के सदस्य निशांत एवं सादत द्वारा युवाओं को साक्षात्कार के दौरान ध्यान रखने योग्य सभी टिप्स दी गई। जिससे कि अभ्यर्थी किसी भी कंपनी में अपने आपको एक सटीक अभ्यर्थी के रूप में साबित कर सके। साथ ही साथ अभ्यर्थियों को अपना बायो डाटा तैयार करते समय जिन बातों का ध्यान रखना है उसके बारे में भी बताया गया जिससे कि वह अपना रिज्यूम प्रभावी बना सके। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई वह अपना रिज्यूम स्वयं तैयार करे तथा रिज्यूम में लिखे गए सभी बिंदुओं को भी ध्यान रखे। जीवतम से जुड़े साथी सादत जी और निशांत ने छात्र/छात्राओं को अपना करियर बनाने की दिशा में आवश्यक दक्षताओं का विकास करने के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। और बताया कि कैसे आप प्राइवेट सेक्टर के साथ साथ सरकारी नौकरियों कि खोज भी इस तरह कि कार्यशालाओं के जरिये कर सकते हो। एन आई सी एस नोएडा से कार्यशाला को सम्बोधित करने के लिए आए यंग प्रोफेशनल अजय गौतम ने सरकार के विभिन्न प्रयासों के बारे मे युवाओं को अवगत कराया कि कैसे सरकारी वेबसाइट एन सी एस के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जॉब सर्च कर सकते है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि युवा रोजगार तो चाहता है लेकिन साक्षात्कार के दौरान कुछ महत्वपूर्ण बातो को अनदेखा कर देते है इन्ही बातो के लिए इस तरह की करियर कार्यशाला अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है अतः आप सभी इस करियर कार्यशाला का फायदा आपको उठाना चाहिए। कौशल प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ प्रकाश चौधरी ने कहा कि सभी अभ्यर्थी रोजगार मेले वाले दिन यानी कि 30 मई को अपने साथ अपना रिज्यूम, आधार कार्ड अवश्य लेकर आए और निश्चित होकर अपना सर्वोत्तम दे। महाविद्यालय में आयोजित रोजगार मेला सभी तरह के रोजगार के अवसर उपलब्ध करायेगा जिसके लिए तेईस से ज्यादा कंपनियां इस रोजगार मेले में शिरकत कर रही है। कार्यशाला की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. पियूष चौहान ने की। कार्यशाला का संचालन डॉ जमुना प्रसाद ने किया। सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो प्रकाश चौधरी ने किया। कार्यशाला में प्रो. रोजी मिश्रा और प्रो. सीमा कोहली, डॉ राकेश राणा तथा छात्र सदस्य रवि वर्मा, अभय कुमार आदि उपस्थित रहे।

Editorial

The RBI decision was not required

The Reserve Bank of India in a surprise move on Friday, May 19, 2023 announced that the currency notes of Rs. 2000 will no longer be in circulation. The RBI in a statement said, those who have Rs. 2000 notes in possession, can exchange them with other smaller notes by September 30. 2023. There after exchange of Rs. 2000 notes will not be allowed. The RBI said, these notes will continue to remain legal tender. People have been allowed a four-month window ending on September 30 to either deposit or exchange the Rs 2,000 note. The RBI decision immediately sparked off a series of criticism from opposition parties, leading by the Congress. Powered by overwhelming majority in the Karnataka assembly election, the principal opposition Congress Party said that the BJP led Central government has failed miserably in reading the economy. The people have yet in their mind the difficulties face by demonitisation that took place in 2016. They have again been made to face similar difficulties. Whatever the principal opposition party thinks about, but this may not be considered demonetisation — there is little clarity, also, over the status of these notes on October 1. But this decision only reinforces the view that the introduction of the Rs 2000 note directly contradicted the claims made at the time by the government that demonetisation of Rs 500 and Rs 1,000 notes was a well thought out, effective and permanent strike against black money. On contrary, a report from an agency in Switzerland suggests that the black money deposited by Indian people have increased by 30 per cent during Modi govt. We believe Friday's decision was not required as the the RBI's annual report says, no fresh Rs 2,000 notes have been supplied by the printing presses in the past few years. The disposal of soiled notes has been steadily increasing, this note was in effect losing its share in the larger economy. In 2019, the Rs 2,000 note accounted for 31.2 per cent of the value of all notes in circulation. By 2022, it had fallen to 13.8 per cent. And by the end of March 2023, it had fallen further. It makes me say that this high denomination note would have fallen in a time to come, and as the numbers of soiled notes rose, it could have been slowly phased out of circulation without causing disruption to the system and inconvenience to the public.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Khelo India University Games will increase team spirit among youth: PM

New Delhi. Prime Minister Narendra Modi on Thursday declared open the 3rd edition of Khelo India University Games 2022 in Lucknow via video conference. This year, the third edition of the Khelo India University Games will be held from 25th May to 3rd June in Uttar Pradesh.

"The third edition of University Games is very special in itself because this is a way to increase the team spirit in the youth of the country" said the Prime Minister Modi while inaugurating the games. Congratulating the players who are participating in the game, Modi said " It has become a very good medium to increase the team spirit among the youth and the feeling of Ek Bharat Shreshtha Bharat". The Prime Minister said earlier only a few thought about making a career through sports and the very reason was that sports didn't get adequate support from the government...adding that besides, no attention was paid to sports infrastructure and to the needs of the athletes" . Modi said, "the Commonwealth scam was a living proof of the attitude of previous governments towards sports". Underlining the new initiatives to promote sports culture in the country, he said under the new National Education Policy sports is now going to be a part of the curriculum. He informed that the creation of the country's first 'National Sports University' will further help in developing a sport culture in the country. Prime Minister Modi said, "in the schemes for the urban sports infrastructure, the previous govt only spent Rs 300 crore. However, under the Khelo India initiative our government has spent around Rs 3,000 crore". The Khelo India University Games (KIUG) is now India's biggest multi-sport competition at the higher education level.

Players participating in KIUG represent India's new energy: CM Yogi

Lucknow. Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath on Thursday said that the players competing in the Khelo India University Games (KIUG) from all over the country represent India's new energy. On the occasion of the inauguration of the Khelo India University Games organised at Babu Banarasi Das (BBD) Stadium in Lucknow, Yogi said, "The successful completion of all these programmes under the leadership of Prime Minister Narendra Modi will not only promote sports in UP but also give these players, coming from all over the country, the chance to visit different parts of the state." Welcoming Prime Minister Narendra Modi, who inaugurated the event through video conferencing from Delhi, he said, "On this occasion, this youth power of the country is eager for your guidance. Congratulations to you on behalf of this youth power." Expressing gratitude to PM Modi for being given the responsibility of hosting the third edition of the KIUG, the CM said, "Under your direction, sports activities have spread to every village, whether it be through the Sansad Khel Pratiyogita, the Fit India Movement or the Khelo India University Games. Every youth and adult takes pride in participating in these activities.

Gadkari- A Man of Mission

Ghaziabad: Union Minister Nitin Gadkari is a man of mision. He has been on his mission to take road infrastructure in India to a newer height. He on Friday informed that in a proud moment, the Ghaziabad-Aligarh Expressway has made history by achieving a remarkable feat - laying of Bituminous Concrete over a distance of 100 lane km in an unprecedented time of 100 hours.

"This accomplishment highlights the dedication and ingenuity of India's road infrastructure industry. I extend my congratulations to the exceptional teams of Cube Highways, L&T, and Ghaziabad Aligarh Expressway Pvt Ltd (GAEPL) for their outstanding achievement,"

tweeted Nitin Gadkari.

"The Ghaziabad-Aligarh section of NH-34, spanning 118 kilometers, plays a vital role as a transportation link between the densely populated regions of Ghazia-bad and Aligarh. This project traverses various towns and cities in Uttar Pradesh, including Dadri, Gautam Buddh Nagar, Sikandrabad, Bulandshahr, and Khurja. It serves as a critical trade route, facilitating the movement of goods and contributing to regional economic development by connecting industrial areas, agricultural regions, and educational institutions," Gadkari said.

"Emphasizing our commitment to sustainability and cost-effectiveness, we have implemented the use of Cold Central Plant Recycling (CCPR) technology in the project. This innovative green technology involves utilizing 90% of the milled material, which amounts to nearly 20 lakh square meters of road surface," the Union Minister said. "Consequently, the consumption of virgin materials has been reduced to a mere 10%. By adopting this approach, we have significantly reduced fuel consumption and the asso-ciated greenhouse gas emissions, thereby making a substantial contribution to low-ering our carbon footprint," he informed.

"Under the leadership of PM Modi, our commitment lies in ensuring exceptional mobility for every commuter, thereby promoting commerce and driving economic activities in the region through the development of worldclass highways at the fastest speed without compromising on quality," mentioned Nitin Gadkari.

किसानों के परिश्रम से यूपी देश में आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो रहा: योगी

यूपी में शुरू हुआ पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लिए बृहद संतृप्तीकरण अभियान

लखनऊ। किसान और श्रमिक शासन के एजेंडे का हिस्सा हो सकते हैं, ये देश ने बीते 9 साल में पहली बार महसूस किया है। किसान और श्रमिक किसी जाति, मत और मजहब के नहीं, बल्कि समाज की जरूरतों को अपने परिश्रम पूरा करने वाले और देश-दुनिया का पेट भरने वाले होते हैं। यूपी के किसानों के परिश्रम के कारण आज प्रदेश देश में आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। ये बातें बुधवार को लोक भवन में आयोजित पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लिए बृहद संतृप्तीकरण अभियान की शुरूआत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। इस दौरान उन्होंने किसानों को कृषि सुविधाओं का त्वरित लाभ देने के लिए संचालित दर्शन पोर्टल के लोगो की लॉन्चिंग के साथ ही विभिन्न सेवाओं एवं अनुदान के लिए कृषक पंजीकरण का शुभारंभ भी किया। कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अबतक 2 करोड़ 63 लाख किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से

जुड़ चुके हैं। अबतक उत्तर प्रदेश में 55 हजार 800 करोड़ की धनराशि पीएम किसान निधि सम्मान के रूप में हमारे किसानों के खातों में भेजी जा चुकी है। मगर इसके बावजूद हमें कुछ किसानों से ये सुनने को मिलता था कि उन तक पैसा नहीं पहुंच रहा है। इसे देखते हुए आधार ऑथेंटिफिकेशन की कार्रवाई को बृहदस्तर पर शुरू किया जा रहा है, जिससे शत प्रतिशत पात्र किसान इस योजना से लाभान्वित हो सकें। आज से प्रदेश के सभी 55 हजार ग्राम पंचायतों में इस बड़े अभियान की शुरूआत हो रही है। तकनीक का उपयोग भ्रष्टाचार पर प्रहार कर सकता है तो जरूरतमंदों को शासन की सुविधाओं का लाभ भी पहुंचा सकता है। इस अभियान में पोस्ट ऑफिस, कृषि और राजस्व विभाग के लोग जुड़कर गांव-गांव में पात्र किसानों को योजना से जोड़ने के महाअभियान में जुटेंगे। हर गांव में प्रचार के साथ इसे आगे बढ़ाने का काम शुरू किया जा चुका है।

लैंड रिकॉर्ड के डिजिटलाइजेशन से गांव के झगड़े समाप्ति की ओर

मुख्यमंत्री ने बताया कि गांवों की सूरत आज बदल चुकी है। लैंड रिकॉर्ड को काफी हद तक डिजिटलाइज किया जा चुका है। इसकी वजह से गांव के झगड़े समाप्ति की ओर हैं। पहले छोटे मोटे विवाद में झगड़े हो जाया करते थे। पीएम स्वामित्व योजना के माध्यम से किसान को घरौनी उपलब्ध कराके मालिकाना हक प्रदान किया गया है। यूपी में अबतक 56 लाख घरौनी उपलब्ध कराई जा चुकी है।

इस वर्ष के अंत तक डेढ़ करोड़ परिवारों को घरौनियां प्रदान कर दी जाएंगी। इनके सर्वे का काम पूरा हो चुका है। आज गांव व्यापक सुधार के साथ स्वच्छता का लक्ष्य लेते हुए टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बीसी सखी और ग्राम सचिवालय की सुविधा गांवों में दी जा रही है। गांव में ही बैंकिंग की सुविधा का लाभ मिलने लगा है। गांवों का पैसा गांव के विकास में खर्च हो, कारोबार के लिए पैसे की जरूरत हो, पेंशन का पैसा निकालना हो या खाते से पैसा निकालना हो, इसके लिए गांव से बाहर नहीं जाना होगा। ये सब बीसी सखी के माध्यम से ही उपलब्ध कराई जा रही है। टेक्नोलॉजी आज की आवश्यक्ता है और इसे बेहतर ढंग से गांवों में आगे बढ़ाने का काम चल रहा है।

किसानों को सम्मान देने का ये महाअभियान

यह बृहद अभियान किसानों को सम्मान देने का महाअभियान है। इस अभियान से जुड़ी सभी संस्थाएं इसे बृहद पैमाने पर लगकर पूरा करेंगी। इससे किसानों की ओर से आने वाली शिकायतों का समाधान होगा और मुझे उम्मीद है कि 10 जून के बाद यूपी का कोई किसान इस प्रकार की शिकायत नहीं करेगा कि मैं इस योजना के लाभ से वंचित रह गया। इस अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, उपकार के चेयरमैन कैप्टन विकास गुप्ता, अपर मुख्य सचिव (कृषि) डॉ देवेश चतुर्वेदी, कृषि विभाग के अधिकारीगण और प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए किसान मौजूद रहे।

श्री साई चैरिटेवल ट्रस्ट की ओर चलाई जा रही साईं रसोई को पांच वर्ष हुए

गाजियाबाद। गाजियाबाद स्थित श्री साईं सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रतिदिन बाबा की रसोई चलाई जा रही है।ट्रस्ट द्धारा प्रतिदिन भंडारा चलता है जो 1:00 बजे बाबा जी का भोग लगा करके,आर्य नगर फवारा चौक पर वितरण किया जाता है, आज इस संस्था का 5 वर्ष पूरे हुए।आप सभी के सहयोग से इस संस्था के जुड़े हुए कार्यों से जरूरतमंदों को लाभ मिलता है। जो इसके हकदार है इस संस्था द्वारा प्रतिदिन भोजन वितरित किया जाता है।इस संथा द्धारा जिन बच्चों को किसी भी स्कूल का बुक चाहिए, वह उपलब्ध कराया जाता है गरीब कन्याओं का विवाह किया जाता है। और जगह जगह चिकित्सक कैंप लगाए जाते हैं। इस संस्था का उद्देश्य है कि हम ज्यादा जगह

जरूरतमंदों के काम आ सके जो की उनको लाभ मिल सके, आप सबके सहयोग से यह संभव हो पाया है। महंत विजय गिरि जी ने बताया कि आज श्री साईं सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट 5 वर्ष पूरे कर चुका, सभी समिति के मेंबर व सभी सहायिगियो का श्री साईं सेवा समिति ट्रस्ट आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करती है और धन्यवाद कहती है इस संस्था को और आगे ले जाए ताकि जिसे भी इसकी जरूरत है उन्हें फायदा पहुंचाया जाए। संस्था के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार,कृष्ण कुमार,अजय गुप्ता, चौ, मुकेश,कालू भाई,जगन लाल,सभी ने पांच वर्ष पूरा होने पर आभार व्यक्त किया।

महाकुंभ-2025 के लिए एक्शन में योगी सरकार, जल्दी जारी होगी थीम और लोगो

लखनऊ। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेला-2025 को भव्य बनाने के लिए सीएम योगी ने विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि महाकुम्भ मेला-2025 का लोगो और थीम जल्द से जल्द बना लिया जाए। साथ ही, प्रयागराज में पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न मंदिरों के सौंदर्यीकरण के अलावा इसके प्रचार-प्रसार और आने वाले भक्तों के लिए नागरिक सुविधाओं का विकास करने पर जोर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार हर बार की तरह 2025 में होने जा रहे महाकुंभ को भी वृहद स्तर पर आयोजित करने के लिए

प्रतिबद्ध है। महाकुंभ-2025 में देश और दुनिया से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की बुनियादी जरूरतों के साथ ही सरकार उन्हें भव्य और दिव्य महाकुंभ का दर्शन भी कराएगी। महाकुंभ-2025 की तैयारियों को लेकर जो निर्देश दिए गए हैं, उनमें प्रयागराज स्थित भारद्वाज आश्रम, द्वादश माधव मंदिर, नागवासुकी मंदिर, दशाश्वमेध मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, अलोपशंकरी मंदिर, पड़िला महादेव मंदिर, पंचकोशी परिक्रमा पथ के अन्तर्गत आने वाले मंदिर, कोटेश्वर महादेव, कल्याणी देवी, डिजिटल कुंभ म्यूजियम, तक्षक तीर्थ, करछना, अक्षयवट या पलापुरी मंदिर, हनुमान मंदिर, फ्लोटिंग जेटी और रेस्टोरेन्ट, राही इलावर्त होटल, त्रिवेणी दर्शन और तीन प्रवेश द्वारा को सौन्दर्यीकरण कराने को कहा गया है। प्रयागराज में अस्थाई टेन्ट कालोनी की स्थापना करने, आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्थाई बस स्टेशन एवं रेलवे स्टेशन पर पर्यटन सूचना केन्द्र बनाने के निर्देश दिए हैं।

संभव में प्राप्त हुई अट्ठारह समस्याएं, कराया समाधान

नगर आयुक्त ने दिए निर्देश, अधिकारीगण शिकायतकर्ता को समस्या के समाधान का लिखेंगे पत्र

गाजियाबाद। नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ द्वारा संभव के अंतर्गत जनसुनवाई की जिस के क्रम में 18 समस्याओं का समाधान कराया गया, संभव में अन्य विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे, डॉ अनुज उद्यान प्रभारी, जलकल विभाग तथा प्रकाश विभाग की समस्याओं के समाधान हेतु योगेंद्र यादव, निर्माण विभाग से अधिकारी, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ संजीव सिन्हा, संपत्ति अधीक्षक भोलेनाथ गौतम उपस्थित रहे तथा आई हुई समस्याओं का समाधान मौके पर ही कराया गया। नगर आयुक्त महोदय द्वारा समस्याओं के समाधान के उपरांत शिकायतकर्ता को भी अवगत कराने हेतु उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए गए जिस के क्रम में प्राप्त शिकायतों का समाधान करने के उपरांत अधिकारीगण शिकायतकर्ता को पत्र लिखकर की गई कार्यवाही के बारे में अवगत भी कराएंगे, पूर्व में भी गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शिकायतकर्ता को कृत कार्यवाही से अवगत कराया जाता रहा है व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत करने के लिए नगर आयुक्त महोदय द्वारा अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। संभव के अंतर्गत अधिकांश शिकायतें निर्माण विभाग से संबंधित प्राप्त हुई जिसमें अवैध अतिक्रमण की शिकायतें भी सम्मिलित रही नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में जोनल प्रभारियों को मौके पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को भी टीम भेजने के लिए अवगत कराया, समस्याओं के समाधान पर अधिकारियों का आगंतुकों ने धन्यवाद जताया कार्यवाही की तेजी को देखकर गाजियाबाद नगर निगम की टीम की भी सराहना की गई, संभव के दौरान जनप्रतिनिधियों ने भी अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में नगर आयुक्त महोदय से विस्तृत चर्चा की जिसमें रामनिवास बंसल वार्ड संख्या 70, वार्ड संख्या 65 से राजकुमार नागर, वार्ड संख्या 14 से चंपा माहौर व अन्य उपस्थित हुए।

बढ़ती गर्मी से है डायरिया का खतरा, घबराइए नहीं, करें बचाव

बढ़ती गर्मी से डायरिया तेजी से फैल रहा है। अस्पताल में बुखार, दस्त और उल्टी की शिकायत लेकर आने वाले मरीजों की संख्या में दिन दूनी रात चौगुनी के हिसाब से बढ़ोत्तरी हो रही है।

इसके शिकार सबसे ज्यादा बच्चे होते हैं। इसलिए जरूरी है कि गर्मियों के दौरान उनके खानपान का जरूर ध्यान रखें।

क्या है डायरिया

डायरिया यानी पतले दस्त, जिसे लूज मोशन भी कहा जाता है। बढ़ती गर्मी में होने वाली पाचन संबंधी समस्याओं में से एक है। दुनिया भर में इस बीमारी से हर साल लगभग 40 लाख लोगों की मौत हो जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि पाचन तंत्र बिगड़ने पर डायरिया हो जाता है जिसमें शरीर से अत्यधिक मात्रा में पानी कम होने लगता है। इस पर तुरंत ध्यान न दिया जाए तो डीहाइड्रेशन संबंधी अन्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

क्या है लक्षण

डॉक्टरों के मुताबिक, डायरिया या अतिसार पेट खराब होने की ऐसी स्थिति है, जिसमें पीड़ित व्यक्ति को दिन में कई बार पानी की तरह पतला मल आता है। डायरिया की वजह से पीड़ित व्यक्ति के शरीर में मौजूद पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम व पोटैशियम जैसे मिनरल्स) मल के साथ अत्यधिक मात्रा में निकल जाते हैं। इससे शरीर का इलेक्ट्रोलाइट संतुलन गड़बड़ा जाता है और डीहाइड्रेशन हो जाता है।

क्या हैं कारण

गर्मी के मौसम में खाना जल्दी खराब

यानी संक्रमित हो जाता है। बैक्टीरिया से संक्रमित आहार खाने, तला-भुना या गरिष्ठ भोजन अधिक करने से, बासी तथा बाहर का खाना या कटे हुए फल खाने, दूषित पानी पीने, साफ-सफाई का ध्यान न रखने और एक टाइम फिक्स न करके समय-असमय खाने से अपच या बदहजमी की समस्या हो जाती है। तब शरीर भी प्रतिक्रिया करता है। इस प्रक्रिया में शरीर से पानी बाहर निकल जाता है और डायरिया की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

अपनाएं ये घरेलू उपाय

चावल का पानी डायरिया में काफी मदद करता है। यह हल्का होने के साथ-साथ काबोर्हाइड्रेट से भरपूर होता है और रोगी के लिए फायदेमंद भी। रोगी को मूंग दाल की पतली खिचड़ी दही के साथ दी जा सकती है। नीबू दस्त में आराम पहुंचाता है। नमक और चीनी मिलाकर तैयार किया नीबू पानी डीहाइड्रेशन के खतरे को कम करता है। मिनरल्स से भरपूर नारियल पानी डायरिया पीड़ित को ठंडक प्रदान करता है।

बरतें सावधानी

गर्मियों में एक बार में भरपेट खाने के बजाय थोड़ा-थोड़ा खाएं। कम घी-तेल का हल्का भोजन करें जहां तक हो सके तला-भुना, मसालेदार भोजन खाने से बचें गर्मी से राहत पाने के लिए कोल्ड ड्रिंक्स की बजाय नीबू पानी, नारियल पानी, छाछ, फलों के जूस और शर्बत आदि पिएं।

हाई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने का रामबाण नुस्खा है भिंडी, ऐसे करें सेवन

डायबिटीज की बीमारी पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी आफत बनी हुई है। बता दें कि डायबिटीज का एक बड़ा लक्षण हाई ब्लड शुगर लेवल है। अधिक डायबिटीज के केसों के कारण भारत को डायबिटीज की राजधानी बुलाया जाता है। डायबिटीज का कोई इलाज नही मिला है। हालांकि इसको हेल्दी डाइट के जरिए कंट्रोल कर सकते हैं। वहीं हाई ब्लड शुगर या डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए हमारे खानपान का हेल्दी होना बहुत जरूरी है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, सिर्फ हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल के माध्यम से ही हाई ब्लड शुगर को कंट्रोल किया जा सकता है। इस दौरान आप ऐसे कई फलों व सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद हैं। इन फलों व सब्जियों के सेवन से आप अपने हाई ब्लड शुगर के लक्षणों को काबू कर सकते हैं। इन्हीं में से एक सब्जी भिंडी की है। जिसका सेवन डायबिटीज के मरीजों के लिए टॉनिक के समान माना गया है। इसलिए अगर आप भी डायबिटीज के मरीज हैं, तो भिंडी की सब्जी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

कैसे फायदेमंद है भिंडी

बता दें कि 100 ग्राम भिंडी में 1.3 ग्राम प्रोटीन, 35 कैलोरी और 0.2 ग्राम फैट होता है। भिंडी की सब्जी फाइबर का एक बड़ा स्त्रोत है। इसके अलावा इस सब्जी में विटामिन बी 6 और फोलेट जैसे जरूरी विटामिन भी पाए जाते हैं। भिंडी में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसमें अघुलनशील और घुलनशील फाइबर दोनों का एक बेहतर स्त्रोत है। यह ब्लड शुगर के लिए एक बढ़िया फूड है। फाइबर को टूटने और पचने में अधिक देरी रहती है। यही कारण है कि यह ब्लड में काफी धीरे-धीरे शुगर को छोड़ता है। जिससे ब्लड शुगर लेवल भी तेजी से नहीं बढ़ता है।

भिंडी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स

भिंडी फाइबर गुण शुगर लेवल को मैनेज करने का काम करता है। इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी काफी कम मात्रा में पाया जाता है। लो जीआई का मतलब होता है कि इसमें शुगर की मात्रा कम पायी जाती है। वहीं इसको खाने से निकलने वाली शुगर को काफी धीरे-धीरे पचाती है।

प्रोटीन का पावरहाउस

भिंडी प्रोटीन से भरपूर लक्षण होते हैं। डायबिटीज के मरीजों को अक्सर अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन किए जाने की सलाह दी जाती है। क्योंकि यह उनको तृप्त रखने में सहायक होता है। साथ ही शुगर वाले फूड को खाने से रोकता है। इसके अलावा भिंडी में काफी कम मात्रा में कैलोरी पाई जाती है। इसके सेवन से वजन को भी कंट्रोल किया जा सकता है।

फटाफट क्रिकेट के बाद अब कुछ सीरियस क्रिकेट

7 जून से होने वाली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पर लगी सबकी नजर

आईपीएल के धमाकेदार और तेज क्रिकेट के बाद अब कुछ सीरियस क्रिकेट की बारी आ रही है। जी हां, सात जून से विश्व टेस्ट क्रिकेट चैंपियनशिप मैच का आयोजन हो रहा है। इंग्लैंड का द ओवल मैदान इसके लिए तैयार हो चुका है। भारतीय टीम का पहला बैच जिसमें विराट कोहली शामिल है, इंग्लैंड पहुंच चुका है। आईपीएल 2023 में टीम इंडिया के खिलाड़ी जिस तरह का जलवा दिखा रहे हैं, उससे लगता है कि अब भारतीय टीम का करीब दस साल का आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा हो सकता है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया टीम को भी कमतर करके नहीं आंका जा सकता, खास तौर पर तब जब मैच इंग्लैंड के द ओवल में होना हो, जहां की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार साबित होती रही हो। इस बीच टीम इंडिया के चार ऐसे खिलाड़ी हैं, जो आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और अगर उनका यही खेल आगे भी जारी रहा तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब

ज्यादा दूर नहीं है।

विराट और शुभमन से काफी आशाएं

विराट कोहली की आईपीएल टीम आरसीबी भले इस साल के सीजन से बाहर हो गई हो, लेकिन विराट कोहली ने आखिरी के दो मैचों में जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके बाद टीम इंडिया का मनोबल हाई है। विराट के बल्ले से जब रन आते हैं तो किसी भी फॉर्मेट में रन बनते हैं।

वही, सबकी नजर शुभमन गिल पर टिकी है। शुभमन गिल इस साल के आईपीएल में फॉफ डुप्लेसी के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, उनके बल्ले से अभी तक 14 मैचों में 680 रन आए हैं और वे ऑरेंज कैप जीतने की रेस में बने हुए हैं। वे डब्ल्यूटीसी फाइनल में टीम इंडिया की ओर से ओपनिंग करते हुए नजर आएंगे। अगर शुरूआत में शुभमन गिल और मिडल आर्डर में विराट कोहली का बल्ला चला तो फिर टीम इंडिया को बड़े स्कोर से रोकना नामुमकिन सा हो जाएगा।

गेंदबाजी में शमी और सिराज

ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले भारत की तेज गेंदबाजी को कमतर कर आंका जा रहा है लेकिन किसी भी खास दिन मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज किसी भी बल्लेबाज को परेशान कर सकते हैं। अगर इन दो तेज गेंदबाजों को पिच से जरा सी भी मदद मिली तो ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा स्कोर बनाना आसान काम नहीं होगा। दोनों में पिच के मुताबिक गेंदों को टर्न कराने की क्षमता है। इंग्लैंड की तेज और उछाल भरी पिचों में शमी और सिराज की गेंदें उछाल भर सकती है।

स्पिनरों पर होगा दारोमदार

सब जानते हैं कि आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को भारतीय स्पिन गेंदबाजी को खेलने में दिक्कत होती है। ऐसे में भारत के लिए जीत का दारोमदार स्पिन गेंदबाजों पर होगी। स्पिन विभाग को अनुभवी रविचंद्रन अश्विन संभालेंगे। उनके साथ रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल होंगे। जडेजा को टीम में शामिल करने से एक पंथ दो काज किए गए। जडेजा की घूमती गेंदों को खेलना ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए परेशानी पैदा कर सकती है। वहीं, अक्षर पटेल की स्टंप पर आती गेंद कभी भी बल्लेबाज को गच्चा दे सकती है।

क्या जीत का सूखा खत्म होगा

टीम इंडिया का इस साल का पहला सबसे बड़ा टारगेट वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की ट्रॉफी अपने नाम करना है। भारत ने 10 साल पहले आखिरी बार क्छउ का कोई खिताब जीता था। रोहित शर्मा की कप्तानी में इस बार टीम इंडिया साल 2013 से चले आ रहे आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करने के लिए जी जान लगा देगी।

मुख्य सचिव ने अयोध्या में चल रहे विकास कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

सभी विभाग अपनी पूरी क्षमता के साथ अयोध्या को विश्व स्तरीय सिटी बनाने के लिए करें कार्य : दुर्गा शंकर मिश्र

लखनऊ/अयोध्या। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में अयोध्या को विश्व स्तरीय धार्मिक पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने हेतु अयोध्या विजन डाक्यूमेंट डेवलपमेंट/गतिमान परियोजनाओं की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की समीक्षा बैठक आयुक्त कार्यालय सभागार में आहूत की गयी।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि अयोध्या में श्री राम जन्म-भूमि मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वर्ष 2023 के अंत तक मूल गर्भगृह का निर्माण पूरा हो जायेगा और जनवरी, 2024 से इसे भक्तों के लिए खोल दिया जायेगा, जिससे अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लाखों की वृद्धि होगी, इसलिये आगामी 6 माह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। अयोध्या में निर्माणाधीन विभिन्न पथ यथा रामपथ, भक्ति पथ व जन्मभूमि पथ के निर्माण कार्य के लिए आगामी दो माह बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि जुलाई माह में बरसात के कारण कार्य बाधित हो सकता है इसलिए अधिक से अधिक मानव संसाधन बढ़ाकर दिन-रात दोनों शिफ्टों में 247 कार्य को और तेजी से किया जाय।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अयोध्या में निर्माणाधीन कार्यों में व्यक्तिगत रुचि रखते हुये करायें तथा उनमें यह भावना होनी चाहिए कि हम अयोध्या के निर्माण के साक्षी बनें। आगामी दिनों में अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी। हमारी यह जिम्मेदारी है कि देश-विदेश से आने वाले सभी श्रद्धालुओं को बेहतर से बेहतर सुविधायें उपलब्ध करायी जायें। अयोध्या में स्थित सभी धर्मशालाओं एवं होम स्टे का एक ऑनलाइन पोर्टल बनाया जाये और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाय, जिससे आने वाले श्रद्धालु घर बैठे ही बुकिंग कर सुविधायें प्राप्त कर सकें। अयोध्या में प्रस्तावित टेन्ट सिटी को जल्द से जल्द विकसित कर उसका संचालन कराया जाये।

भविष्य में अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम यातायात उपलब्ध कराने हेतु चल रही परियोजनाओं की समीक्षा करते हुये उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधायें उपलब्ध हों, इसके लिए एक बेहतर कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाये। श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी को देखते हुये ट्रेनों की संख्या बढ़ायी जाये तथा अयोध्या में निर्मित बस स्टाप को और विकसित किया जाये तथा उसके सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर अण्डर पास बनाया जाये, जिससे लखनऊ से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम यातायात की सुविधा मिल सकें।

उन्होंने कहा कि आगामी दिसम्बर माह तक अयोध्या धाम में 50 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध करायी जाये, जिससे अयोध्या के अंदर श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा हों। उन्होंने अयोध्या में प्रस्तावित 06 प्रमुख प्रवेश द्वारों में भूमि अर्जन की कार्यवाही जल्द से जल्द पूर्ण कर वहां पर मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराते हुये भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण कार्य किया जाये, जिसमें पार्किंग फूडकोर्ट आदि की सुविधायें श्रद्धालुओं को उपलब्ध करायी जायें। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रमुख स्थानों पर फूड प्लाजा एवं फूड कोर्ट आदि की सुविधायें श्रद्धालुओं को उपलब्ध करायी जायें। उन्होंने कहा कि अयोध्या को स्वच्छ एवं सुन्दरतम नगरी के रूप में विकसित करने हेतु आवश्यक है कि इन्दौर की भांति कूड़े का कलेक्शन डोर टू डोर शत प्रतिशत किया जाये तथा यहां के आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाये। उन्होंने मण्डलायुक्त से कहा कि जिन परियोजनाओं एवं सरकारी भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण होने वाला है, उनकी एक सूची तैयार करा ली जाये, जैसे ही कार्य पूर्ण हो उनका संचालन सुनिश्चित कराया जाये। निर्मित सभी सरकारी भवनों एवं सरकारी परियोजनाओं में अयोध्या की ब्राडिंग की जाये। उन्होंने सभी परियोजनाओं में अयोध्या की ब्राडिंग करते हुये अयोध्या की भावना को विकसित करने पर विशेष बल दिया।

निर्माणाधीन तुलसी स्मारक भवन की समीक्षा करते हुये उन्होंने मण्डलायुक्त से कहा कि यदि निर्माण कार्य के डिजाइन में कोई त्रुटि है, तो उसकी जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाये। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आप सभी अपना स्वयं का घर बनाते समय एक-एक बारीकियों का ध्यान रखते हैं, उसी प्रकार इन सभी सरकारी भवनों के निर्माण में भी बारीकियों को जरूर ध्यान रखा जाये।

उन्होंने अयोध्या बसखारी मार्ग की भी समीक्षा की। सम्बंधित अधिकारियों द्वारा बताया गया कि उक्त मार्ग में अकबरपुर बाईपास में दो रेलवे ओवरब्रिज हैं, जिस कारण इस कार्य में विलम्ब हो रहा है, जिस पर उन्होंने कहा कि 10 किमी0 बाईपास निर्माण में दो रेलवे ओवरब्रिज कैसे पड़ रहे इसकी जांच की जाये और सम्बन्धित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाये।

बैठक से पूर्व, मुख्य सचिव ने अयोध्या के गुप्तारघाट के फेस-1, फेस-2, फेस-3 का निरीक्षण किया तथा निर्माणाधीन एस0टी0पी0 प्लांट, अयोध्या के नयाघाट सहित विभिन्न घाटों एवं प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया।

मेवाड़ में धूमधाम से मनाई गई वीर सावरकर जयंती

देश तभी बचेगा जब हम मजबूत होंगे: डॉ. गदिया

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में आयोजित वीर सावरकर जयंती समारोह में इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि देश तभी बचेगा जब हम सशक्त बनेंगे। हमारी सभ्यता, संस्कृति और महापुरुषों को जिन्दा रखना है तो हमें आर्थिक, भौतिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनना होगा। तभी हम विश्वगुरु बन सकते हैं। अभी विश्व में हमारी भागीदारी मात्र दो प्रतिशत है। जब यह बढ़कर 50 से 60 प्रतिशत हो जाएगी तो हमें विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।

उन्होंने कहा कि देश के महानायक नरेन्द्र मोदी के विचारों में वीर विनायक दामोदर सावरकर बसे हैं। जो वीर सावरकर समाज व देश के हित में सोचते थे, ठीक वैसी ही सोच नरेन्द्र मोदी का है। वीर सावरकर जयंती पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने ये बातें विद्यार्थियों को बताई। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि वीर सावरकर जातिविहीन समाज की रचना करना चाहते थे, अब मोदी जी भी इसी सपने को साकार करने के लिए प्रयासरत हैं। सावरकर चाहते थे कि दलितों, शोषितों व पीड़ितों को हरिजन कहा जाए, मोदी जी भी इसी पक्ष में हैं। सावरकर की तरह मोदी भी युवाओं के प्रथम प्रणेता माने जाते हैं। सावरकर सैनिकों का शस्त्रीकरण करने के पक्षधर थे तो मोदी जी भी सेना के लिए बेहतरीन सोच रखते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को आज नौकरियां मिलें, यह तो जिंदगी का एक सफल मकसद हो सकता है मगर देश और समाज के लिए युवाओं को प्रेरित कर सकें, यह एक शिक्षक का काम है। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस इसी भावना को मिशन के रूप में लेकर निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर मुस्लिम विरोधी कतई नहीं थे। वह 200 सबजातियों में बंटी हिन्दू संस्कृति के खिलाफ थे। इस संस्कृति को संगठित करना ही उनका मकसद था। उन्होंने कहा कि अपनी समस्या खुद ही हल करनी होगी। डॉ. गदिया ने वीर सावरकर के जीवन के अनेक संदर्भों को शब्दचित्र के जरिये रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यातनाएं सहने से कभी नहीं डरना चाहिए। यातनाएं सहने वाला लम्बी आयु जीता है। वीर सावरकर का जीवन इसका एक सशक्त उदाहरण है। उन्होंने एक रोचक संदर्भ से इस बात की पुष्टि की। इससे पूर्व डॉ. गदिया, मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल आदि ने वीर सावरकर, शारदे मां व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप जलाया और पुष्प अर्पित कर अपनी भावांजलि दी। इस अवसर पर डॉ. अलका अग्रवाल ने कहा कि वीर सावरकर के पूरे परिवार ने देश को स्वतंत्र कराने की खातिर अपने पूरे परिवार का बलिदान किया। यह बलिदान ऐतिहासिक है। समारोह में रिचा एंड ग्रुप, हंशिका, नेहा, तान्या, मीनू एंड ग्रुप, शिवानी, गरिमा, शिखर, रूपल, विनय आदि ने सम्भाषण, कविताएं, समूह गान आदि से कार्यक्रम में चार चांद लगाए। समारोह का सफल संचालन छात्रा अंजलि और आशु ने किया। इस अवसर पर मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

नगर आयुक्त ने की चिकित्सकों के साथ शहर की स्वच्छता की बात, कचरा पृथक्करण तथा RRR पर हुई विशेष चर्चा

गाजियाबाद। राज नगर सेक्टर 9 गाजियाबाद मे नगर निगम से वरिष्ठ अधिकारियों तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गाजियाबाद के पदाधिकारियों व चिकित्सकों द्वारा शहर की स्वच्छता की एक विस्तृत चर्चा का आयोजन हुआ जिसमें कचरा पृथक्करण तथा फ्फ्फ्र बात की गई साथ ही जन जागरूकता अभियान चलाने के लिए भी योजना बनाई गई।

नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ द्वारा उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए शहर को स्वच्छ रखने के लिए आगे आने को कहा जिस के क्रम में उनके द्वारा शहर स्वच्छता हेतु जन जागरूकता अभियान चलाने के लिए उत्साहित किया गया चिकित्सकों के माध्यम से शहर वासियों को जागरूक किया जाएगा जिसमें प्रभात फेरी व अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे, नगर आयुक्त महोदय द्वारा चिकित्सकों व आईएमए के पदाधिकारियों को शहर को नंबर वन लाने के लिए उत्साहित किया गया उनके द्वारा कहा गया कि मेडिकल से उत्सर्जित वेस्ट को अलग से ही गाजियाबाद नगर निगम को सौंपा जाए ताकि उसका निस्तारण सही ढंग से किया जा सके कचरा पृथक्करण महत्वपूर्ण विषय है जिस पर नगर आयुक्त महोदय द्वारा उपस्थित जनों को जागरूक किया गया, सूखा कचरा अलग गीला कचरा अलग रखने के साथ-साथ मेडिकल वेस्ट को भी अलग प्रत्येक दशा में देने के लिए अपील की। रिड्यूस रीयूज रीसाइकिल के अभियान हेतु भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए नगर आयुक्त महोदय द्वारा चिकित्सकों को अपील की ट्रिपल आर के बारे में विस्तार से उपस्थित जनों को बताया गया फ्फ्फ्रसेंटर के बारे में भी जानकारी दी गई, मौके पर शहर के कई वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे जिनके द्वारा गाजियाबाद नगर निगम के साथ कदम से कदम मिलाकर शहर को स्वच्छ रखने के लिए आश्वस्त किया गया।

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के साथ-साथ स्वस्थ बनाए रखने का भी लगातार प्रयास किया जा रहा है जिसमें डॉ नितिन गौड़ नगर आयुक्त कई योजनाओं के साथ कार्य कर रहे हैं, आई एम ए के पदाधिकारियों ने गाजियाबाद नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे कार्यों की सराहना की ट्रिपल आर में भी सहयोग करने के लिए आगे आए मौके पर आईएमए के प्रेजिडेंट डॉ संदीप, डॉ वाणी पुरी, डॉ राजीव गोयल उपाध्यक्ष, डॉ ज्ञानेंद्र मित्तल सचिव तथा कोषाध्यक्ष भावुक मित्तल उपस्थित रहे कार्यक्रम में कई मेडिकल क्लीनिक के चिकित्सकों ने भी हिस्सा लिया गाजियाबाद नगर निगम से अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव व अन्य संबंधित अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी नपेंगे: जिलाधिकारी

गाजियाबाद। प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं होगी। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े अधिकारियों को चेतावनी दी है। बुधवार को जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं पोषण अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि कहा कि सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों को जनपद में बहुत ही माइक्रो प्लान के साथ संचालित किया जाए ताकि सरकार की मंशा के अनुरूप सभी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जन-जन तक पहुंच सके। स्वास्थ्य विभाग एवं निकाय के अधिकारियों द्वारा सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं का जन-जन तक लाभ पहुंचाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही होने पर कार्यवाही की जाएगी। चिकित्सक अपनी-अपनी ड्यूटी पर निर्धारित समय पर उपस्थित हों।

उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि शासन की ओर से स्वास्थ्य कार्यक्रमों में दवाइयों की किसी प्रकार की कमी नहीं हैं। संबंधित अधिकारियों द्वारा ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए कि जनपद के सभी सरकारी अस्पतालों में निरंतर स्तर पर पर्याप्त मात्रा में दवाइयों एवं समस्त आवश्यक मेडिकल सयंत्र की उपलब्धता रहें।

उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के तहत प्राथमिकता के आधार पर संस्थागत प्रसव पर विशेष जोर दिया। कहा कि कोई भी गर्भवती महिला एवं पात्र बच्चे सरकार के टीकाकरण अभियान से वंचित न रहने पाए। टीकाकरण अभियान में आशा कार्यकत्रियों का भरपूर सहयोग लिया जाए एवं आशा कार्यकत्रियों के द्वारा कार्य में शिथिलता पाए जाने पर कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर सरकार के द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। समस्त अधिकारियों के द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अभियान संचालित किया जाए कि सरकार के इन सभी कार्यक्रमों का जनपद के सभी बच्चों को भरपूर लाभ प्राप्त हो सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन अधिकारियों द्वारा अपने कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है, उनका वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण जारी किया जाएं। जनपद प्रदेश की रैकिंग में अपना टॉप 10 में स्थान बनाने के लक्ष्य के साथ काम किया जाए।

जिलाधिकारी इस अवसर पल्स पोलियों अभियान के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करते हुये कहा कि 28 मई से संचालित होने वाले पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए अपनी कार्ययोजना समय रहते तैयार कर ली जायें, ताकि प्रत्येक पात्र बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलायी जा सकें। जिलाधिकारी ने आयुष्मान योजना के अंतर्गत गोल्डन कार्ड बनाए जाने की प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। (आयरन सीरप, एमोक्सीसिलीन, फोलिक एसिड, विटामिन ए एवं मल्टाविटामिन) ए0एन0एम0 के माध्यम से उपलब्ध करायें। जिलाधिकारी द्वारा आयरन सीरप राज्य स्तर से कम उपलब्धता के संदर्भ में मुख्य चिकित्साधिकारी को जिलाधिकारी की ओर से राज्य को पत्र के माध्यम से लक्ष्य के अनुसार सीरप की उपल्बधता जनपद में कराने हेतु प्रेषित किये जाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भवतोष शंखधर, एसीएमओ डॉ. डीएम सक्सेना, डीएसओ डॉ. आरके गुप्ता, डब्ल्यूएचओ से डॉ. अभिषेक कुलश्रेष्ठ समेत कई अधिकारी उपस्थित थे।

नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के तहत स्कूलों की मनमानी को लेकर एडीएम सिटी से मिले

गाजियाबाद। वर्ष 2023-24 के निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के तहत दाखिलों के लिए जारी हुई सूची के बच्चों के अभिभावकों ने ऑल स्कूल पेरेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ दाखिलों के लिए एडीएम सिटी गम्भीर सिंह से मुलाकात कर सफल आवेदकों के दाखिले कराने की मांग की। पदाधिकारियों ने एडीएम सिटी ऑफिस आरटीई सेल बनाए जाने के निर्णय का स्वागत किया।

एसोसिएशन की अध्यक्ष शिवानी जैन ने बताया कि दाखिला करने से बचने के लिए स्कूल संचालक विभिन्न तरह के बहाने जैसे बीएसए कार्यालय से सूची नही प्राप्त हुई, स्कूल में सीट नही है, स्कूल निजी स्तर पर जांच कराकर आपको सूचित कर देगा, बनाकर सफल आवेदकों को दाखिले देने के इनकार कर रहे हैं। इससे बच्चों के अभिभावक धक्के खाने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि दाखिले कराने की जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारियों की तय की जानी चाहिए। एसोसिएशन के महासचिव सचिन सोनी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आरटीई सेल का गठन किए जाने का निर्णय स्वागत योग्य है। इसका निश्चित ही सफल आवेदकों को लाभ मिलेगा क्योंकि पूर्व में बेसिक शिक्षा विभाग दाखिले कराने के बजाए स्कूल प्रबंधनों की भाषा बोलते थे। इस मौके पर नवीन, वसीम, अमित कश्यप, इमरान खान, रेवती शरण, किशन कुमार, शक्ति सिंह, मोहम्मद आरिफ खान, नीरज कुमार वर्मा, रियाज्जुदिन, साजिद अली, वरुण आदि उपस्थित रहे।

सिविल डिफेंस द्वारा आग से बचाव हेतु जागरूकता अभियान

गाजियाबाद। सिविल डिफेंस गाजियाबाद द्वारा उत्तर प्रदेश शासन के आदेश अनुसार आग से सुरक्षा एवं बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान 22 मई से 22 जून तक पूरे जिला गाजियाबाद में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संजय नगर सेक्टर-23 स्थित रामकिशन इंस्टीट्यूट में सिविल डिफेंस के नगर प्रभाग की ओर से एक कार्यशाला एवं रैली का आयोजन किया गया जिसमें सैंकड़ों स्कूली बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में डिविजनल वार्डन रिजर्व नीरज भटनागर ने स्कूली छात्र छात्राओं को आग से बचाव के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी। सहायक उपनियंत्रक बनवारी लाल ने गैस सिलेंडर तथा अन्य प्रकार की आग को कैसे बुझाया जाए इसका व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने आग नियंत्रण का अभ्यास किया। इसके पश्चात जन जागरूकता के लिए पंपलेट वितरण के लिए एक रैली निकाली गई।

इस कार्यक्रम में स्कूल के निदेशक आलोक गर्ग एवं शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग रहा। इस आयोजन के दौरान डिविजनल वार्डन राजेन्द्र शर्मा, डिविजनल वार्डन आर नीरज भटनागर, डिप्टी डिविजनल वार्डन रिजर्व पंकज बंसल, स्टाफ आफिसर गोपाल बंसल एवं सुधीर कुमार , पोस्ट वार्डन अमित श्रीवास्तव, डिप्टी पोस्ट वार्डन रेखा अग्रवाल एवं हर्ष वर्मा , शिवकुमार शर्मा, विपिन गोयल, संजय खन्ना, अभिषेक, विकास, स्कूल की प्रधानाचार्या नमिता शर्मा, कविता भटनागर आदि शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। स्कूली छात्राओं में तान्या, साक्षी, आकांक्षा, अवि, सृष्टि, अदिति ने भाग लिया।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.